

भारत में मोज़ाम्बिक से तुअर दाल का आयात

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में भारत ने मोज़ाम्बिक से तुअर दाल का आयात पुनः शुरू कर दिया है, क्योंकि इसे “भारत वरिष्ठी” समूह द्वारा बाधित किया गया था।

भारत में दालों के आयात की वर्तमान स्थितिक्रिया है?

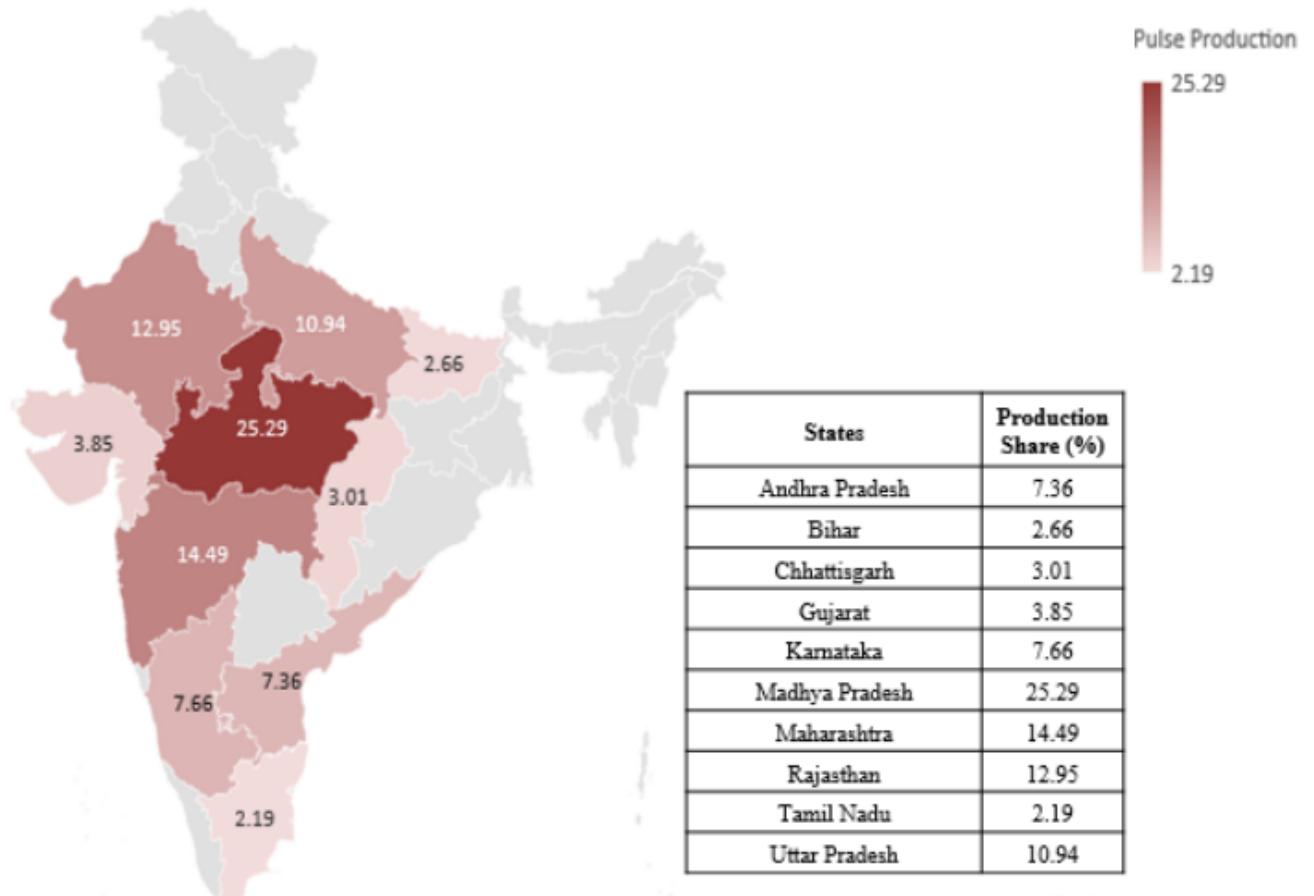
- भारत ने वर्तित वर्ष 2023-24 में **4.65 मलियन मीट्रिक टन दालों** का आयात किया (जो वर्ष 2022-23 में 2.53 मलियन टन से अधिक है), जो वर्ष 2018-19 के बाद से सबसे अधिक है।
 - मूल्य के संदर्भ में दालों का आयात 93% बढ़कर **3.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- वर्ष 2023-24 में भारत ने 7.71 लाख टन तुअर/अरहर का आयात किया, जिसमें से 2.64 लाख टन (एक तहिई) मोज़ाम्बिक से आया। मलावी भी भारत को तुअर का एक प्रमुख आपूरतकिरता है।
 - मोज़ाम्बिक ने भारत के साथ वर्ष 2025-26 तक 2 लाख टन तुअर/अरहर की दाल की आपूरत के लिये समझौता ज्ञापन किया है, जिससे उसे बाजार तक पहुँच सुनिश्चित होगी। इसी तरह मलावी के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत भारत को 0.50 लाख टन की वार्षिक आपूरत सुनिश्चिति की गई है।
- लाल मसूर (**Red Lentil**) का आयात, वर्षिष्ठ रूप से कनाडा से, दोगुना होकर 1.2 मलियन टन हो गया।
- पीले मटर (**Yellow Peas**) रूस और तुर्की से आयात किया जाते हैं।
- भारत सहित दक्षिण एशियाई देश आमतौर पर कनाडा, म्यामार, ऑस्ट्रेलिया, मोज़ाम्बिक और तंजानिया से दालों आयात करते हैं।

भारत में दलहल उत्पादन की स्थितिक्रिया है?

- भारत वर्षिष्ठ में दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक (वैश्वकि उत्पादन का 25%), उपभोक्ता (वर्षिष्ठ खपत का 27%) तथा आयातक (14%) है।
- खाद्यानन् के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में दलहन की हसिसेदारी लगभग 20% है तथा देश में कुल खाद्यानन् उत्पादन में इसका योगदान लगभग 7-10% है।
- चना सबसे प्रमुख दलहन है जिसकी कुल उत्पादन में हसिसेदारी लगभग 40% है, इसके बाद तुअर/अरहर की हसिसेदारी 15 से 20% तथा उड़द/ब्लैक मेटपे एवं मूंग दलहन की हसिसेदारी लगभग 8-10% है।
- हालाँकि दलहन का उत्पादन खरीफ तथा रबी दोनों सीज़न में किया जाता है, रबी सीज़न में उत्पादित दलहन का कुल उत्पादन में 60% से अधिक का योगदान है।
- मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक शीर्ष पाँच दलहन उत्पादक राज्य हैं।

तुअर दाल के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- यह भारत में एक महत्वपूर्ण फलीदार (लैग्यूम) फसल और प्रोटीन स्रोत है।
- यह उष्णकटिबंधीय और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में पाई जाती है।
- जलवायु आवश्यकताएँ:
 - वर्षा: सालाना **600-650 ममी** वर्षा की आवश्यकता होती है, जिसमें शुरुआत में नमी की स्थिति और फूल आने से लेकर फली बनने तक शुष्क स्थिति विद्यमानीय है।
 - तापमान: यह वर्षा ऋतु के दौरान 26°C से 30°C तथा उसके बाद 17°C से 22°C के तापमान पर सबसे अच्छी तरह विकिसित होता है।
 - मृदा: इसके लिये रेतीली दोमट या दोमट मृदा आवश्यक है, हालाँकि यह विभिन्न प्रकार की मृदा के अनुकूल हो सकती है।
- यह फली विकास के दौरान कम विकिरण के प्रति संवेदनशील है, जिसके कारण यद्यमानसून या बादल वाली स्थितियों में फूल आते हैं तो फली उत्पादन खराब हो सकता है।
- प्रमुख रोगों में वलिट, स्टेरेलिटी मोज़ेक रोग, फाइटोफ्थोरा ब्लाइट, अल्टरनेरिया ब्लाइट और पाउडरी फफूंद/पाउडरी मलिड्यू शामिल हैं।
- शीर्ष उत्पादक राज्य (2019): कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश



Source: Authors' calculations; Handbook of Statistics, RBI.

भारत में दलहनों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु सरकारी पहल

- नीतिगत समर्थन: कसिनों को उचाति मूलय सुनिश्चिति करने के लिये नीतिगत सुझाव मुख्य रूप से भारतीय [राष्ट्रीय कृषि सहकारी वपिण संघ \(NAFED\)](#) और हाल ही में [लघु कृषक कृषविधापार संघ \(SFAC\)](#) के माध्यम से कसिनों को [न्यूनतम समर्थन मूलय \(MSP\)](#) प्रदान करके दालों की खरीद पर केंद्ररति है।
- [राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मणिन \(NFSM\)-दालें](#)
- [अनुसंधान और कसिम विकास में ICAR की भूमिका](#)
- [प्रधानमंत्री अननंदाता आय संरक्षण अभियान \(पीएम-आशा\) योजना](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????????

प्रश्न. भारत में दालों के उत्पादन के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

- उड़द की खेती खरीफ और रबी दोनों फसलों में की जा सकती है।
- कुल दाल उत्पादन का लगभग आधा भाग केवल मूँग का होता है।
- पछिले तीन दशकों में, जहाँ खरीफ दालों का उत्पादन बढ़ा है, वही रबी दालों का उत्पादन घटा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 2
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: A

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-to-import-tur-dal-from-mozambique>

